वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा लाह की खेती के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका सृजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक :- 18.10.2019

वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक एवं समुह समन्वयक (अनुसंधान) के निर्देशन में दिनांक 18.10.2019 को वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत लाह वीज फार्म चंदवा में लाह की खेती के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका सृजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया| कार्यक्रम का प्रारम्भ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया| इस अवसर पर संस्थान के डा. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने लाह उत्पादन के लिए पारम्परिक पोषक वृक्षों के अतिरिक्त नये खोज किए गए पोषक वृक्षों/झड़ियों पर लाह उत्पादन की आवश्यकता एवं तकनीकी पर चर्चा की। ज़िला परिषद सदस्य श्रीमती अनिता देवी ने किसानों, जनप्रतिनिधियों, छात्रों से परिश्रम कर लाह उत्पादन एवं बांस रोपण कर जीविकोपार्जन के लिए अहवाहन किया एवं समाज सेवी श्री रामयश पाठक ने वनो पर प्रकाश डालते हुए स्वयं को वनोपज की लाभ के लिए प्रोत्साहित भी किया।

श्री एस. एन. वैद्य मुख्य तकनीकी अधिकारी ने फ्लेमेंजिया सेमियालता पौध तैयार करने की तकनीक पर चर्चा की|साथ ही साथ परतिभागियों से फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाह उत्पादन लेने की तकनीक पर चर्चा किया एवं उनके प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया| इन्होने लाह प्रष्कृत एवं बिभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग के में भी अवगत कराया|

श्री बी.डी.पंडित ने लाह पोषक वृक्षों की जानकारी एवं समयानुसार उपयुक्त लाह पोषक वृक्षों पर लाह की की खेती करने की वैज्ञानिक तकनीक तथा उन पर होने वाले रोग एवं निदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया| संस्थान के समुह समन्वयक (अनुसंधान) ने प्रतिभागियों को बांस उत्पादन से लेकर बांस के उपयोग तक के वारे में भी चर्चा की|

संस्थान के श्री निसार आलम, श्री बी.डी. पंडित एवं श्री सूरज कुमार ने प्रतिभागियों को फ्लेमेंजिया सेमियालता प्रदर्शन क्षेत्र का भ्रमण कराया गया एवं उनके प्रश्नों के उत्तर भी वाताये गए| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया| इस कार्यक्रम का संचालन एवं समापन संस्थान के श्री बी.डी. पंडित तकनीकी अधिकारी ने किया| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस. एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री बी.डी. पंडित तकनीकी अधिकारी एवं श्री सूरज कुमार तकनीकी सहायक का योगदान रहा।

दिनांक : 18.10.2019
वन उत्पादकता संस्थान

दिनांक : 18.10.2019
वन उत्पादकता संस्थान

काट छांट की विधि
काट छांट की विभिन्न अवस्थाएँ
लाह नर कीट
लाह मादा कीट
पूर्ण परिपक्व
अवस्था

हाथ द्वारा चढ़ाई का विधि
मशीन द्वारा चढ़ाई का विधि
लाह की उपयोगिता
लाह फसल के मुख्य दुश्मन कीट
(Predators)
Larva(लार्वा)
Crysopa(क्रिसोपा)
लाह फसल के दुश्मन कीट
(Parasites)

दिनांक : 18.10.2019
वन उत्पादकता संस्थान

LAC TRAINING CUM
LAC OPERATION SHED
CHANDWA

खेती-बाड़ी • किसानों को बताया-लातेहार का लाह भारत में ही नहीं, विश्व में प्रसिद्ध है

बांस और लाह की खेती को बढ़ाने के लिए मेहनत करें किसान : योगेश्वर

भास्कर न्यूज़|चंदवा

चंदवा के लाह बागान में किसानों को संबोधित करते समन्वयक।

भारतवर्ष में लाह उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड का विशिष्ट स्थान है और सबसे उत्तम किस्म का लाह लातेहार जिले में पाया जाता है। लाह उत्पादन का 50 प्रतिशत उत्पादन झारखंड में होता है। यह बातें वन उत्पादकता संस्थान रांची समूह के समन्वयक योगेश्वर मिश्रा ने शुक्रवार को स्थानीय लाह बागान परिसर में लाह उत्पादनकर्ता किसानों को संबोधित करते हुए कही। मिश्रा ने कहा कि झारखंड में लाह की 21 प्रजातियां हैं।

लातेहार जिला का लाह भारत में ही नहीं, विश्व में प्रसिद्ध है। यहां के किसानों को लाह उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़कर काम करने पर उन्होंने बल दिया। किसानों को लाह की खेती के साथ-साथ बांस की खेती पर बल दिया और कहा कि बांस की एक प्रजाति 125 प्रजातियां हैं, लेकिन झारखंड में अभी पांच प्रकार के बांस की प्रजाति है। बांस वनोत्पाद से बाहर रखा गया है। इसे काटने व बेचने के लिए वन विभाग से अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद् सदस्य अनीता देवी ने कहा कि इस क्षेत्र के लोग मेहनत से अब जी चुरा रहे हैं। कभी लाह यहां की मुख्य फसल होती थी। हमें मेहनत करके अपनी पुरानी परंपरा को जीवित रखना है। इससे आर्थिक लाभ अर्जित करना है। उन्होंने मेहनत करने पर बल दिया। रामयश पाठक ने कहा कि वन विभाग की उदासीनता के कारण लोगों में पेड़ लगाने के प्रति रूचि कम हुई है, क्योंकि अगर आपके आंगन में भी पेड़ है तो उसे अपने उपयोग में लाने के पहले वन विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है। यदि ऐसा नहीं किया तो आप को जेल भी हो सकती है। कार्यक्रम में लाह अनुसंधान केंद्र रांची के एसएन वैद्य, निसार आलम एवं बीडी पंडित ने किसानों को लाह की उन्नत बीजों के प्रयोग रख-रखाव से संबंधित जानकारी दी। इससे पूर्व मुख्य अतिथि अनीता देवी, रामयश पाठक व योगेश्वर मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। मौके पर बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

मुहर्रम जुलूस मेदिनीन अक्टूब मनाया के याद भी जुल में अ जुलूस निकल चौक, पट्टी, कोयल भवानी चौक ह स्थान कई स पगड़ीप जाएगा जेनरल कहा वि से मन यह चे जा र शांतिपू उन्होंने शांतिपू तरह

बारियातू। प्रखंड के बारियातू, डाढ़ा, बचरा व साल्वे के दो दर्जन से भी अधिक महिला पुंरुष पन्द्रह दिवसीय तीर्थयात्रा पर सुरक्षित वाहन से रवाना हुए। तीर्थयात्रा के दौरान तीर्थयात्री सबसे पहले वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के पश्चात बिंध्याचल, प्रयागराज संगम, राम जन्म भूमि अयोध्या, वृंदावन, मथुरा के साथ चित्रकूट धाम का भी दर्शन भ्रमण करेंगे। तीर्थयात्रा में जाने वालों में मुख्य रूप से मित्यानंद प्रजापति, जगदीश बैध, तारा देवी, कलावती देवी, देवंती देवी, सुनैना देवी, चकलधर सिंह, रविंद्र सिंह सहित अन्य शामिल है।

आगामी विस चुनाव को लेकर दिया गया इवीएम वीवीपैट का प्रशिक्षण

बारियातू। आगामी बिधान सभा चुनाव को लेकर प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 56, 57, 58, 59, 60, 61 व 66 के मतदाताओ को कुशध्वज व पंकज पांडेय द्वारा ईवीएम वीवी पैट का प्रशिक्षण शुक्रवार को दिया।

जनवरी 2006 से 18,460 दे दिया गया है, परंतु शिक्षकों को इससे वंचित रखा गया है। विद्यालय संचालन एवं प्रबंधन के लिए के पास रखने का आदेश को निरस्त करने, अंतर जिला स्थानांतरण की व्यवस्था करने से संबंधित मांगे शामिल हैं।

आयोजित की गई। प्रशिक्षण शिविर में शुक्रवार को लातेहार एवं बारियातू प्रखंड के पोलिंग पार्टी के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।

विधान सभा महत्वपूर्ण है औ आपके कार्य प्रण उन्होंने कहा कि प

खबर मंत्र - 19.10.19 Page-06

किसानों को दिया गया लाह की खेती का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्राप्त करते किसान

चंदवा। चंदवा स्थित मेनो नाईट मिशन स्थित लाह बगान में शुक्रवार को वन उत्पादकता संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्) रांची द्वारा किसानों को लाख (लाह) की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य अनिता देवी व रामयश पाठक ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर अतिथियों ने कहा कि लाह की खेती के क्षेत्र में रोजगार सृजन के काफी संभावना है और झारखंड की भगौलिक दशा लाह की खेती के लिए प्रयुक्त है। लाह की खेती किसानों के लिए काफी लाभप्रद हो सकती है। संस्थान के डा. योगेश्वर मिश्रा, एन आलम, एसएन वैद्य, बीडी पंडित व सूरज कुमार द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया गयां। मौके पर परशुराम बैठा, मंगरा भुइयां, विवेक कुमार, अन्तोनी बारला, संजय उरांव, मंजय उरांव समेत अन्य मौजूद थे।

झारखंड अवर वन सेवा संघ की प्रमंडलीय बैठक

बनवारी प्रतिये

लातेहार। विश्व में शहर के बनवा का आयोजन कि को संबोधित क कारणों का उल्ले अंधापन नियंत्रण

page-02

रांची, शनिवार
19.10.2019 प्रभात खबर | 02

लातेहार का लाह देश में सबसे उत्तम: मिश्रा

प्रतिनिधि ▷ चंदवा

जानकारी देते अतिथि.

देश में लाह उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड का अलग स्थान है. झारखंड में भी सबसे उतम किस्म का लाह लातेहार में पाया जाता है. इतना ही नहीं देश के 50 फीसदी लाह का उत्पादन झारखंड में होता है, जिसमें चंदवा का बड़ा योगदान है. उक्त बातें वन उत्पादकता संस्थान रांची समूह के समन्वयक योगेश्वर मिश्रा ने शुक्रवार को लाह बगान परिसर में लाह उत्पादनकर्ता किसानों से कही. श्री मिश्रा ने कहा कि झारखंड में लाह की 21 प्रजातियां हैं. जिले के लाह भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में प्रसिद्ध है. स्थानीय किसानों को लाह उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर बल दिया. इसके साथ ही किसानों को बांस की खेती पर भी बल दिया. कहा कि बांस कि 125 प्रजातियां हैं. झारखंड में फिलवक्त पांच प्रकार के बांस पाये जाते हैं. बांस वन उत्पाद से बाहर रखा गया है. इसे काटने व बेचने के लिए वन विभाग से अनुमति की जरूरत नहीं है. जिला परिषद सदस्य अनिता देवी ने कहा कि किसी समय में लाह की खेती के लिए चंदवा का नाम विशेष तौर पर जाना जाता था. कुछ कारणवश काफी दिनों से यहां लाह की खेती में कमी आयी है. प्रशासनिक मदद मिले, तो फिर से यहां का लाह विश्व में अपनी पहचान दिलायेगा. रामयश पाठक ने कहा कि वन विभाग की उदासीनता से स्थानीय लोगों ने लाह की खेती से मुंह मोड़ लिया. कार्यक्रम में लाह अनुसंधान केंद्र रांची के एसएन वैद्य, नेसार आलम, बीडी पंडित ने भी किसानों को लाह की उन्नत बीजों के प्रयोग व रख-रखाव से संबंधित जानकारी विस्तार से दी.

पंचायत सचिव संघ ने दिया धरना

मनिका. लातेहार जिला पंचायत सचिव संघ ने राज्य कमेटी के निर्देश पर शुक्रवार को मनिका में विधायक आवास के पास शुक्रवार को धरना दिया. मौके पर मनोज प्रसाद ने कहा सरकार द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है. अपनी मांगों के समर्थन में आगे भी यह आंदोलन जारी रहेगा. संघ ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आनेवाला विधानसभा चुनाव पर इसका असर पड़ सकता है. धरना के दौरान विधायक हरिकृष्ण सिंह के उपस्थित नहीं रहने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशल किशोर प्रसाद को संघ द्वारा नौ सूत्री मांग पत्र सौंपा गया. मौके पर जयराम राय, घुरा राम, अर्जुन राम, विनोद उरांव, बालेश्वर उरांव, सुरेश कुमार यादव, राम कुमार भगत व अर्जुन उरांव उपस्थित थे.

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

लातेहार. विश्व दृष्टि दिवस पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में शहर के बनवारी साहू महाविद्यालय लातेहार में वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई. सिविल सर्जन डॉ एसपी शर्मा ने दृष्टि दोष के कारणों का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत रतौंधी से होती है. उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा लगातार अंधापन नियंत्रण के लिए ऑपरेशन शिविरों का आयोजन किया जाता है. इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो प्रदीप कुमार तिवारी ने कहा कि असंतुलित पर्यावरण का असर मनुष्य के नेत्र व दृष्टि पर पड़ रहा है. उन्होंने वायु प्रदूषण को इसका प्रमुख कारण बताया. उन्होंने बताया कि आज बच्चों में नेत्र व दृष्टि दोष की शिकायतें आ रही है. स्वास्थ्य विभाग के वरीय सहायक गणेश उपाध्याय ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा अंधापन नियंत्रण के लिए चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी दी. कार्यक्रम में प्रो नरेश कुमार पांडेय, प्रो हरि प्रसाद, अनुपम कुमार मिश्रा, बृज किशोर प्रसाद, ममता कुमारी व महाविद्यालय के छात्र व छात्राएं उपस्थित थे.

अनुमंडल के सभी थाना ... स्पेक्टर की एक बैठक ...

...नैवाल में ...भीड़

...थत याह्मा मोटरसाइकल आटोमोबाईल, इंडस्ट्रीयल लाईन रोड स्थित टाईल्स- ...तिष्ठान मे. सिंह मार्बल एंड ...सपी कोठी रोड स्थित एस. ... एंड कंपनी, शहर थाना ...क्स स्थित रूप अलंकार ...श्री पुस्तक भंडार गली के ...स्थित स्टोन एंड ज्वेलरी के ...वेलर्स, मुख्य सब्जी बाजार ... ज्वेलरी सुहागन ज्वेलर्स, ...चौक स्थित स्वर्ण आभूषण ...ी ज्वेलर्स व अरविंद मिल्स ... बिल्डिंग स्थित रारा सेल्स ... में खरीदारों की भीड़ उमड़

...यों शोक

...र्मियों ने शोक सभा में मृत ...ह यादव के मृत आत्मा की ... 2 मिनट का मौन रखकर ... की शांति के लिए ईश्वर से ...।

,चैनपुर थाना निरीक्षक राजीव रंजन शाही आदि थे।

दैनिक जागरण -19.10.19 पेज-04

किसानों को मिला लाह की खेती का प्रशिक्षण

संवाद सूत्र ,चंदवा : वन उत्पादकता संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्) रांची द्वारा चंदवा में किसानों को लाह की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य अनिता देवी, रामयश पाठक व संस्थान के डा. योगेश्वर मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने कहा कि लाह की खेती किसानों के रोजगार व आर्थिक समृद्धि के विकास में सहायक होगा। क्षेत्र की जलवायु को लाह की खेती के अनुकूल बताते कहा कि वर्ष में दो बार लाख की खेती की जा सकती है। क्षेत्र में पाए जानेवाले पलास, बेर, कुसूम, सिरिस, पीपल समेत अन्य वृक्षों में लाख कीट के पालन से न सिर्फ पुरूष अपितु महिलाएं को भी रोजगार मिलता है। स्थानीय सभागार में आयोजित आजीविका सृजन पर प्रशिक्षण देते सीटीओ एसएन वैद्य ने बताया कि लाह की खेती लाख एक बहुपयोगी राल है, जो एक सूक्ष्म कीट का दैहिक स्राव है।

गया है। जबकि घटना के बाद हाइवा चालक फरार हो गया।

किसानों को मिला लाह की खेती का प्रशिक्षण

चंदवा/लातेहार। वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा शुक्रवार को चंदवा में किसानों को लाख की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य अनिता देवी व रामयश पाठक ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर अतिथियों ने कहा कि झारखंड में लाह की खेती किसानों के लिए काफी लाभप्रद हो सकती है।

राष्ट्रीय नवीन मेल -19.10.19 Page-04

...जरूरी : बाललाल

ट्रक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक घटना के बाद हाईवा चालक फरार हो गया।

लाह की खेती का मिला प्रशिक्षण

चंदवा(प्र)। वन उत्पादकता संस्थान (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्) रांची ने शुक्रवार को चंदवा में किसानों को लाह की खेती का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य अनिता देवी व रामयश पाठक ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर अतिथियों ने कहा कि झारखंड में लाह की खेती किसानों के लिए काफी लाभप्रद हो सकती है। यह रोजगार सृजन में सहायक होगा। पुरुषों के साथ महिलाएं भी इसकी खेती कर आत्मनिर्भर बन सकती है। मौके पर संस्थान के डॉ. योगेश्वर मिश्रा, एन आलम, एसएन वैद्य, बीडी पंडित व सूरज कुमार ने किसानों को प्रशिक्षण दिया।

...हार्डवेयर
...ज के सामने
...AI RAM
... BIKE
...hi Road

हिन्दुस्तान -19.10.19
Page-08